DECLARATION

I hereby declare that the work embodied in this thesis entitled "**NIRMAL VARMA KE KATHA SAHITYA MEIN ADHUNIKTA BODH**" which I am submitting for the award of the degree of **DOCTOR OF PHILOSOPHY** to the Mahatma Gandhi University, Kottayam is an authentic record of the research work carried out by me under the supervision of Dr. James George, H.O.D, P.G & Research Department of Hindi, Nirmala College, Muvattupuzha. No part of this thesis has been presented for any other degree or diploma earlier.

Muvattupuzha
19.03.2015

SURESH A.

Dr. JAMES GEORGE
Associate Professor & HOD
P.G. & Research Department of Hindi
Nirmala College, Muvattupuzha

CERTIFICATE

This is to certify that the thesis entitled "**NIRMAL VARMA KE KATHA SAHITYA MEIN ADHUNIKTA BODH**" is submitted for the award of the degree of **DOCTOR OF PHILOSOPHY** of the Mahatma Gandhi University, Kottayam is a record of bonafide research work carried out by **SURESH A.** under my supervision. This thesis has not either in part or as a whole, previously formed the basis for the award of any degree or any diploma in any other university.

Muvattupuzha
19.03.2015

Dr. JAMES GEORGE
Supervising Teacher

Dr. JAMES GEORGE
M.A. Ph.D Hindi, M.A. English, M.A. Politics
Associate Professor & H.O.D
P.G & Research Dept. Of Hindi
Nirmala College Muvattupuzha

CERTIFICATE

Certified that Suresh A. is a bonafide Research Scholar of the Research & Post Graduate Department of Hindi, Nirmala College, Muvattupuzha as per registration U.O. No: 5705/AII/2009 Accademic dated 19.12.09, File no: Ac.AII/2/913/Hindi/Jan/09 of Mahatma Gandhi University and that the thesis "**NIRMAL VARMA KE KATHA SAHITYA MEIN ADHUNIKTA BODH**" is the outcome of his genuine work at this centre.

Dr. James George, H.O.D, P.G & Research Department of Hindi, Nirmala College, Muvattupuzha has been his guide for the research work.

Place : Muvattupuzha

Date : 19.03.2015

Principal

PRINCIPAL
NIRMALA COLLEGE
MUVATTUPUZHA

NIRMALA COLLEGE
Pin-686 661
Date
MUVATTUPUZHA

विषयसूची

पहला अध्याय 1-39

निर्मल वर्मा का व्यक्तित्व निर्माण और रचना संसार

1.1 जीवन परिचय

1.2 लिखने की शुरूआत

1.3 साहित्य-सृजन का अकुंर

1.4 इतिहास और स्मृति

1.5 रचना संसार

1.5.1 निर्मल वर्मा की कहानियाँ

1.5.1.1 परिंदे

1.5.1.2 जलती झाड़ी

1.5.1.3 पिछली गर्मियों में

1.5.1.4 बीच बहस में

1.5.1.5 कव्वे और कालापानी

1.5.1.6 सूखा तथा अन्य कहानियाँ

1.5.2 निर्मल वर्मा की औपन्यासिक यात्रा

1.5.2.1 वे दिन

1.5.2.2 लालटीन की छत

1.5.2.3 एक चिथड़ा सुख

1.5.2.4 रात का रिपोर्टर

1.5.2.5 अंतिम अरण्य

1.5.3 निबंध-आलोचना

1.5.4 यात्रा वृत्तान्त

1.5.5 डायरी, नोट्स्

1.5.6 नाटक

1.5.7 संचयन

1.5.8 पत्र

1.5.9 अनुवाद

1.6 पुरस्कार

निष्कर्ष

संदर्भ

दूसरा अध्याय 40-92

जीवन परिवेश और सर्जनात्मकता

2.1 लिखने की प्रेरणा

2.1.1 परिवार से प्रेरणा

2.1.2 शैक्षणिक क्षेत्र - प्रेरणा स्रोत

2.1.3 किशोरावस्था की देन

2.1.4 दाम्पत्य स्तर पर

2.2 रचनात्मक ऊर्जा के स्रोत

2.2.1 भारतीय साहित्यकारों का प्रभाव

2.2.2 विदेशी साहित्यकारों का प्रभाव

2.3 भारतीय जीवन सन्दर्भ से जुडाव

2.3.1 भारतीयता की परिभाषा

2.3.2 भारतीय संस्कृति और पश्चिमी संस्कृति संबंधी दृष्टिकोण

2.3.3 औद्योगीकरण का दुष्प्रभाव

2.4 प्रवासी जीवन और रचनात्मकता

2.4.1 चेक प्रवास में सृजन कार्य

2.4.2 यूरोप प्रवास में सृजन धर्मिता

2.4.3 प्रवासी यात्रा के दौरान यात्रावृत्तांत

2.4.4 प्रवासी जीवन में अनुवाद कार्य

2.4.5 प्रवासी जीवन में साहित्य साधना

2.5 विभिन्न विचार-धाराओं का प्रभाव
2.5.1 मार्क्सवाद का प्रभाव
2.5.2 अस्तित्ववादी दर्शन पर निर्मल वर्मा की आस्था
2.5.3 चिंतन की मौलिकता
2.5.4 धर्म की अवधारणा
2.5.5 सांस्कृतिक विवेचन में अंतर्दृष्टि
2.6 निर्मल वर्मा की साहित्यिक अवधारणाएँ
2.6.1 साहित्यकार का उद्देश्य
2.6.2 साहित्य की प्रतिबद्धता संबंधी धारणाएँ
2.6.3 साहित्य और राजनीति संबंधी धारणाएँ
2.6.4 साहित्य-समाज-संस्कृति संबंधी धारणाएँ
2.6.5 कविता- संबंधी धारणाएँ
2.6.6 नाटक संबंधी धारणाएँ
2.6.7 उपन्यास संबंधी धारणाएँ
2.6.8 कहानी संबंधी धारणाएँ
2.6.9 अस्तित्ववादी दृष्टिकोण
2.6.10 भाषा संबंधी धारणाएँ
2.6.11 आधुनिकता संबंधी धारणाएँ
निष्कर्ष
संदर्भ

तीसरा अध्याय 93-143

आधुनिकता बोध की अवधारणा

3.1 आधुनिकता बोध की अवधारणा
3.1.1 आधुनिकता बोध की परिभाषा
3.1.2 आधुनिकता-बोध का चिंतन और उपक्रम
3.2 आधुनिकता और आधुनिकता बोध
3.2.1 आधुनिकता का अर्थ और परिभाषा

3.2.2 आधुनिकता बोध के कारक तत्व

3.2.2.1 समसामयिकता

3.2.2.2 वैज्ञानिकता

3.2.2.3 नूतनता

3.2.2.4 अस्तित्व की खोज

3.2.2.5 जिज्ञासा

3.3 विश्व स्तर पर आधुनिकता बोध का आगमन

3.3.1 औद्योगिकीकरण की प्रक्रिया

3.3.2 आधुनिकता बोध का भारतीय संदर्भ

3.3.2.1 समाज सुधार आंदोलन

3.3.2.2 विदेशी प्रभाव

3.4 द्वितीय विश्व महायुद्ध और आधुनिकता बोध का सन्दर्भ

3.4.1 द्वितीय महायुद्ध की वैचारिक परंपरा

3.4.1.1 मार्क्सवाद

3.4.1.2 मनोविश्लेषणवाद

3.4.1.3 अस्तित्ववाद

3.5 जीवन के विविध आयामों से जुड़ता आधुनिकता बोध

3.5.1 आधुनिकता बोध और परम्परा

3.5.2 आधुनिकता बोध और विद्रोह

3.5.3 आधुनिकता बोध और समसामयिकता

3.5.4 आधुनिकता बोध और आधुनिकीकरण

3.5.5 आधुनिकता बोध और यथार्थ

3.5.6 आधुनिकता बोध और विज्ञान

3.5.7 आधुनिकता बोध और समकालीनता

3.6 साहित्य के वातायन से आधुनिकता बोध का विश्लेषण

3.6.1 हिन्दी साहित्य और आधुनिकता बोध

3.6.2 उपन्यास और आधुनिकता बोध का विश्लेषण

3.6.3 कवीता में आधुनिकता बोध का चित्रण

3.6.4 नाटकों में आधुनिकता बोध का चित्रण
3.6.5 हिन्दी कहानी और आधुनिकता बोध
निष्कर्ष
संदर्भ

चौथा अध्याय 144-203

निर्मल वर्मा की कहानियों में आधुनिकता बोध

4.1 युगीन परिस्थितियाँ
4.1.1 पश्चिमी कहानी और कहानीकारों का प्रभाव
4.1.2 राजनीतिक परिस्थितियाँ
4.1.3 सांप्रदायिकता
4.1.4 औद्योगीकरण
4.1.5 सामाजिक परिस्थितियाँ
4.1.6 साहित्यिक पृष्ठभूमि
4.2 निर्मल वर्मा और आधुनिकता बोध
4.3 अकेलापन
4.4 अजनबीपन
4.5 अस्तित्व बोध
4.6 प्रेम संबंध
4.7 मृत्युबोध
4.8 महानगरीय परिवेश
4.9 वैयक्तिक स्वातंत्र्य
4.10 टूटते संबध
4.11 जिजीविषा
निष्कर्ष
संदर्भ

पाँचवाँ अध्याय 204-257

निर्मल वर्मा के उपन्यासों में आधुनिकता बोध

5.1 मानवीय संबंधों की टूटन

5.2 अकेलापन

5.3 अस्तित्व की तलाश

5.4 मृत्युबोध

5.5 महानगर बोध

5.6. प्रेम के प्रति नवीन दृष्टिकोण

5.7. जिजीविषा

5.8. वैयक्तिक स्वातंत्र्य

निष्कर्ष

संदर्भ

उपसंहार 258-270

परिशिष्ट - सहायक ग्रंथसूची 271-288

निर्मल वर्मा के कथा-साहित्य में आधुनिकता बोध

NIRMAL VARMA KE KATHA SAHITYA MEIN ADHUNIKTA BODH

Thesis submitted to the

MAHATMA GANDHI UNIVERSITY

Kottayam, Kerala

for the Award of the Degree of

DOCTOR OF PHILOSOPHY IN HINDI

By

SURESH A.

Supervised by

Dr. JAMES GEORGE

Associate Professor & HOD

P.G. & Research Department of Hindi

NIRMALA COLLEGE, MUVATTUPUZHA

DEPARTMENT OF HINDI

NIRMALA COLLEGE, MUVATTUPUZHA

2015

निर्मल वर्मा के कथा-साहित्य में आधुनिकता बोध

महात्मा गाँधी विश्वविद्यालय, कोट्टयम, केरल की
पीएच.डी की उपाधि केलिए प्रस्तुत शोध प्रबंध

प्रस्तुतकर्ता

सुरेश ए.

निर्देशक

डॉ. जेम्स जोर्ज

हिन्दी स्नातकोत्तर एवं शोध विभाग
निर्मला कालेज, मुवाट्टुपुषा

हिन्दी विभाग
निर्मला कालेज, मुवाट्टुपुषा

2015